हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

11 बलाना का आरपीएस इंजीनियरिंग कॉलेज...

12 पाइप व नोजल चोरी होने के विरोध में किसानों ने...

क्रशर जोन में पत्थरों की पिसाई और सड़क पर उड़ने वाली धूल से लोगों को आंखों में जलन तथा सांस लेने में हुई परेशानी

वायु की गुणवत्ता अत्यंत खराब होने पर आयोग ने दिए ग्रेप-3 के आदेश, क्रशर और माइंस के संचालन पर प्रतिबंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ निजामपुर

पर्यावरण का एक्यूआई 250 से अधिक पहुंच चुका है, प्रदषित वातावरण में लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी है। शिकायत मिलने पर वायु गुणवत्ता आयोग ने महेंद्रगढ़ जिले समेत एनसीआर में ग्रेप-3 के आदेश जारी कर दिए। जिला प्रशासन व प्रदुषण कंट्रोल बोर्ड को क्रशर, माइंस व अन्य औद्योगिक इकाइयों को तुरंत प्रभाव से बंद कराने के निर्देश दिए हैं, लेकिन आदेशों को दो दिन बीतने के बावजूद क्रशरों पर धड़ल्ले से पत्थरों की पिसाई हो रही है। ऐसे में ग्रामीणों को जानलेवा खतरे की चिंता सताने लगी है।

दमा रोगियों पर मंडराया जानलेवा खतरा

आपको बता दें कि बीते करीब एक महीने से वायु की गुणवत्ता खराब बनी हुई है। दस दिन पहले थोड़ी तेज हवा चलते पर एक्यूआई में गिरावट आई थी, लेकिन अब दुबारा से चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। नाजुक स्थिति होने पर वायू गुणवत्ता सुधार आयोग ने कड़ा संज्ञान लेते हुए ग्रेप-3 के आदेश लागू कर दिए। विभिन्न जोन के प्रदुषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों को पत्र भेजकर औद्योगिक इकाई, क्रशर, माइंस तथा कंट्रेक्शन कार्यों को बंद कराने की हिदायत दी है। नांगल चौधरी-निजामपुर ब्लॉक में 200 से अधिक क्रशर तथा करीब दस माइंस संचालित हैं। 800 से अधिक डंपर पत्थरों और रोड़ियों की सप्लाई करने में जुटे हुए हैं। क्रशरों पर चारदीवारी का प्रबंध नहीं, जिस कारण डस्ट का उड़ाव गांवों तक पहुंचना आरंभ हो गया। धौलेड़ा, बिगोपुर, मेघोत बींजा, मेघोत हाला, जैनपुर, गांगोताना, बांयल, गोलवा समेत 35 गांवों का वातावरण प्रदूषित बना हुआ है। दीपावली के बाद गांवों में डस्ट का कोहरा और धूल का उड़ाव रहना आरंभ हो गया। वायु गुणवत्ता सुधार आयोग ने जिला स्तर पर एक्यूआइ का आंकलन किया था, जिसमें दिल्ली एनसीआर समेत महेंद्रगढ़ जिले की हवा अत्यंत खराब बनी हुई है। आयोग इंचार्ज ने 11 नवंबर को आदेश जारी करके औद्योगिक इकाइयों को तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं।

निजामपुर। बिगोपुर जोन में संचालित क्रशर पर वायु गुणवत्ता सुधार आयोग की उड़ती धाज्जियां। फोटो : हरिभूमि

ग्रेप-3 के आदेश लागू, क्रशर-माइंस और औद्योगिक इकाइयों पर लगा प्रतिबंद

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के एसडीओ अनुज नरवाल ने बताया कि वायू गुणवत्ता आयोग ने ग्रेप-3 के आदेश जारी कर दिए है। निजामपुर-नांगल चौधरी समेत जिले में कहीं भी क्रशर व माइंस संचालन पर प्रतिबंद लग गया है। क्रशर जोन में औचक निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा, इस दौरान कोई क्रशर या माइंस में काम चालू मिला तो सख्त कार्रवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि एक्यूआइ की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

कन्वेयरों पर नहीं होता पानी का छिड़काव, दमा रोगियों की बढ़ी मुश्किल

विभिन्न गांवों के जोन में संचालित अधिकांश क्रशरों की कन्वेयर पर पानी का छिड़काव नहीं होता। सूखी और बारीक डस्ट ने हवा में मिश्रित होकर वातावरण को जहरीला करना आरंभ कर दिया। गांवों की लिंक सड़कों पर एक हजार से अधिक डंपरों का आवागमन होता है जिनकी स्पीड से उड़ने वाली धूल ने ग्रामीणों का सांस लेना भी दुभर कर दिया। इसके अलावा माइंसों में होने वाली हैवी ब्लास्टिंग से गांवों में धुएं और धूलमयी वातावरण रहता है।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य मंत्री का अटेली में धन्यवाद कार्यक्रम आज

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 14 नवम्बर को अटेली में धन्यवाद कार्यक्रम करेगी। जानकारी देते हुए ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विजय दौगड़ा अहीर ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री सुबह साढ़े नौ बजे ग्राम चौपाल कटकई, साढ़े 10 बजे ग्राम चौपाल सिलारपुर, साढ़े 11 बजे ग्राम चौपाल कलवाड़ी, दोपहर साढ़े 12 बजे सीनियर सेकेंडरी स्कूल दौगड़ा अहीर में धन्यवाद कार्यक्रमों को संबोधित करेंगी। धन्यवाद कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

मारपीट करने के मामले में 4 आरोपित पकड़े

महेंद्रगढ़। आपसी कहासुनी को लेकर ऑफिस में घुसकर मारपीट करने और गाड़ी तोड़ने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर पुलिस टीम ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान नांगल हरनाथ निवासी राहुल, विवेश, राहुल और अभय वासी खातोद के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपितों से लाठी-डंडे बरामद किए हैं। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शिकायतकर्ता अंकित वासी मालड़ा सराय ने थाना सदर में दी शिकायत में बताया कि वह सेंट्रल यूनिवर्सिटी पाली में पढ़ता है।

मोबाइल संचार सेवाएं प्रभावित, परेशानी

कनीना। क्षेत्र में बीएसएनएल संचार कम्पनी की मोबाईल सेवाएं पिछले दिनों से बुरी तरह से प्रभावित हैं। नेटवर्क एवं फ्रीक्वेंसी की समस्या होने से मोबाइल कनेक्टिविटी बीच में टूट रही है, कॉल लगातार ड्रॉप आउट या वन वे हो रही है। बीएसएनएल मोबाईल उपभोक्ता दिनेश कुमार, विजय कुमार, हर्ष कुमार, राजेश, दिनेश, मुकेश, हनुमान सिंह, अमित कुमार, सुरेश, सतवीर ने बताया कि बीएसएनल सिम कार्ड से कॉल पूरी नहीं रही है।

दो माह से पानी मोटर खराब, मरीज परेशान

सिहमा की पीएचसी में दवाओं का टोटा, एंटी रेबीज इंजेक्शन भी बाहर से खरीद रहे घायल

निजी मेडिकल स्टोर पर एंटी रेबीज टीके की कीमत करीब 600 रुपये है। ऐसे में जिन लोगों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उनको बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

नीरज कुमार ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा व खंडहर अवस्था में पानी का वाटर टैंक। फोटो : हरिभूमि

भले ही सरकार की ओर से लोगों को बेहतर सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं देने का दावा किया जा रहा है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में दवाइयां भी पर्याप्त नहीं हैं। हालात यह है कि अस्पताल में एंटी रेबीज के टीके तक नहीं है।

हेल्थ सेंटर में पिछले करीब एक माह से एंटी रेबीज के टीके की सप्लाई नहीं आने से वैक्सीन पूरी तरह से खत्म है। ऐसे में यहां पर कुत्ते के काटने पर इलाज के लिए आने वालों को बिना उपचार के ही लौटना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में मरीजों को उपचार के लिए बाहर से ही दवाई खरीद कर लानी पड़ रहा है। निजी मेडिकल स्टोर पर एंटी रेबीज टीके की कीमत करीब 600 रुपये है। ऐसे में जिन लोगों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उनको बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अस्पताल प्रशासन एंटी रेबीज टीके की डिमांड ऊपर तक भेजने का तर्क दे रहे हैं।

अस्पताल में रोजाना महज चार से पांच मरीज पहुंच रहे हैं। कुत्ते के काटने पर मरीजों को एंटी रेबीज का टीका 28 दिनों के अंदर चार बार लगवाना अनिवार्य होता है। अस्पताल में एंटी रेबीज दवाई नहीं होने की वजह से मरीजों को बिन उपचार के ही लौटना पड़ रहा है। स्टाफ और डॉक्टर के पास एक ही जवाब है कि अस्पताल में एंटी रेबीज की वैक्सीन की सप्लाई प्रभावित है।

वहीं प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में बनाए गए वॉटर टैंक की पानी की मोटर पिछले दो माह से खराब होने से अस्पताल में पानी की किल्लत बनी हुई है। टंकी में पानी न भर पाने से अस्पताल में लगे वाटर कूलर से लेकर नल तक सूखे पड़े हैं। मरीजों को पीने के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। वहीं अस्पताल में बने वॉटर टैंक की हालत पूर्ण रूप से जर्जर हो चुकी है। जिससे टैंक में पानी तो भरता है परंतु करीब एक घंटे में ही पानी रिश्ते के चलते पूरा टैंक खाली हो जाता है। हेल्थ सेंटर में सर्दी, खासी, बुखार के मरीज तो आते हैं। वहीं गर्भवती महिलाएं जांच एवं डिलीवरी भी करवाई जाती है।

मोटर खराब होने से पीने के पानी के साथ-साथ शौचालय में पानी नहीं रहने के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं फिलहाल छोटी मोटर से शौचालय की टंकियों में पानी को पहुंचाया जा रहा है। गांव में बने जन स्वास्थ्य विभाग के पानी के बूस्टर स्टेशन से पाइप के माध्यम से प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा में रोजाना पहुंचाया जाता है।

शिकायत मिलने पर की जाएंगी कार्रवाई

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. विजय का कहना है कि इस मोटर का पब्लिक हेल्थ का मामला बनता है। प्राथमिक हेल्थ सेंटर के इंचार्ज खुद किसी मामले को देखें एवं अपना कार्य करें। फिर भी वहां का इंचार्ज कार्य नहीं करता है तो इसकी शिकायत हमें दें, हम उस पर कार्रवाई करेंगे। यह जो कार्य करना है वह उनको ही करना है। उनको फाइनेंशियल जिम्मेदारी दी गई है। अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं होने पर भी प्राथमिक हेल्थ सेंटर सिहमा की गलती है। एंटी रेबीज वैक्सीन अटेली, नारनौल अन्यथा भिवानी से मंगवाएं। मरीज को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।

जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी वैक्सीन

प्राथमिक हेल्थ सेंटर के डॉक्टर निशांत ने बताया कि एंटी रेबीज वैक्सीन के लिए इंडेंट डाला हुआ है। सप्लाई आते ही एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कर दी जाएगी। अस्पताल की ज्यादा जानकारी लेनी है तो सीनियर डॉक्टर विजय एवं आरटीआई के माध्यम से लीजिए।

मंडी अटेली। दवाई लेने आया मरीज बंद पड़े पानी के वाटर कूलर को दिखाता हुआ। फोटो : हरिभूमि

आए दिन आती है शिकायतें

सिहमा की सरपंच सुमन देवी ने बताया कि उनके गांव में बने प्राथमिक हेल्थ सेंटर में आए दिन अनेक प्रकार की विफलताओं की जानकारियां उनके पास आती रहती हैं। हेल्थ सेंटर में आने वाले मरीजों को डॉक्टर द्वारा जो दवाइयां लिखी जाती है। उनमें से अधिकतर दवाइयां अस्पताल के स्टोर में नहीं मिलती है। जिसके चलते उन्हें बाहर से महंगी दवाई लानी पड़ रही है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव प्रदेश की अस्पतालों में उन्नत चिकित्सा उपकरण स्थापित कर रही है। प्रदेश सरकार तो अच्छा कार्य कर रही है परंतु स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लीपा पोती के चलते गांव के गरीब लोगों उनका लाभ नहीं पहुंच पाता है। महिला सरपंच ने इन समस्या का शीघ्र हल करने व अस्पताल दवाइयां उपलब्ध करवाने की मांग की है।

मरीजों को उठानी पड़ रही है परेशानी

हेल्थ सेंटर में गुवानी से आए जगदीश ने बताया कि वह खांसी जुकाम की दवाई लेने के लिए अस्पताल में आया हुआ है। वहां उपस्थित डॉक्टर ने उसको दवाइयां लिख दी है। अभी उसको तुरंत दो दवाइयां लेनी थी जिसके लिए वह अस्पताल में पानी के लिए भटक रहा था। अस्पताल में वाटर कूलर तो लगा हुआ है परंतु उसमें पानी नहीं आ रहा है। जिले में स्वास्थ्य मंत्री होने के बावजूद भी अस्पताल में मरीजों के लिए पानी उपलब्ध नहीं होना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही साफ झलक रही है।

बचाने आए छोटे बेटे-बहू को भी नहीं बख्शा

जमीन के लिए बेटे ने बुजुर्ग मां को पीटा

निजामपुर क्षेत्र के गांव मोरूंड की है घटना, पुलिस ने जांच की शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

निजामपुर क्षेत्र के गांव मोरूंड में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। यहां एक बेटे ने अपनी ही बुजुर्ग मां को जमीन के लालच में पीट डाला। पीटने में उसका साथ उसके दोनों बेटे ने भी दिया।

घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें तीनों आरोपित महिला को बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं। जब महिला का छोटा बेटा और बहू उसे बचाने पहुंचे, तो आरोपितों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस मारपीट में बुजुर्ग मां, छोटा बेटा और बहू तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को नागरिक अस्पताल नारनौल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

घायल बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसके पति के नाम की जमीन को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। पति की मृत्यु के बाद बड़ा बेटा जमीन पर कब्जा करना चाहता था। पति की मौत के बाद भी उसका व्यवहार नहीं बदला। वह घर का सामान बाहर फेंक देता था और जमीन अपने नाम करने का दबाव डालता था। बुजुर्ग महिला के छोटे बेटे ने बताया कि उनका भाई पहले पिता को भी पीटता था, जिसकी वजह से पिता की तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई। इसके बाद बड़ा भाई अपनी मां के साथ भी मारपीट करने लगा, जिससे वह मजबूर होकर छोटे बेटे के घर रहने लगीं।

भाई और बेटों ने किया हमला

बुजुर्ग महिला के छोटे बेटे ने बताया कि बुधवार को उसका बड़ा भाई अपने बेटों के साथ उनके घर आया। जब वह घर लौटे तो देखा कि तीनों उसकी मां को पीट रहे थे। उन्होंने लाठियां उठा रखी थीं। जब हमने छुड़ाने की कोशिश की तो हम पर भी हमला कर दिया। इस दौरान उन्होंने घर का सामान भी तोड़ दिया और परिवार को धमकाया। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत फिलहाल स्थिर है। घटना की पूरी फुटेज सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। निजामपुर थाना प्रभारी का कहना है कि शिकायत मिलने पर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी सबूतों के आधार पर जांच की जा रही है, आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छात्राओं ने युवा महोत्सव में किया सराहनीय प्रदर्शन

नारनौल। विजेता छात्राओं को सम्मानित करते स्टॉफ सदस्य।

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर की छात्राओं ने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर से आरपीएस कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय जोनल युवा महोत्सव झूमर-2025 में सराहनीय प्रदर्शन किया। 10 से 12 नवंबर तक आयोजित युवा महोत्सव में महाविद्यालय की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा मुक्ता ने अंग्रेजी कविता पाठ व बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा कोमलप्रीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मूर्ति का पत्थर हटाने का आरोप प्रधान ने आरोपों को नकारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में राजीव चौक के पास रहने वाले भारत सैनी बुधवार मीडिया से रूबरू हुए और बताया कि पिता स्वर्गीय नित्यानंद सैनी की ओर से धर्मार्थ भावना से वर्ष 2014 में रेवाड़ी रोड स्थित सैनी सभा के बाहर महाराजा शूरसैनी की मूर्ति एवं एक स्मृति फलक स्थापित करवाई थी। जिसका अनावरण तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने 11 अगस्त 2014 को किया गया था।

हाल ही में सैनी सभा के वर्तमान पदाधिकारियों की ओर से बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के इस मूर्ति एवं फलक को हटा दिया गया है। पिछले माह तीन अक्टूबर को लिखित शिकायत प्रधान को दी। उपायुक्त, सीएम विंडो, जिला रजिस्ट्रार और सीएम को शिकायत दी गई। अगर यह मूर्ति खंडित हो गई थी तो उसकी सूचना देनी चाहिए थी। उनके पिता के नाम का लिखा पत्थर भी सुरक्षित है या नहीं, इसकी भी कोई जानकारी नहीं है। यह पत्थर सभा के अंदर नहीं मूर्ति के आस-पास ही लगे। सीएम से मांग की गई है कि इस विषय में हस्तक्षेप कर उक्त मूर्ति और स्मृति फलक को यथास्थान पुनर्स्थापित करवाने तथा मामले की निष्पक्ष जांच के आदेश दिए जाए।

नारनौल। प्रेसवार्ता करते शिकायतकर्ता भारत सैनी

स्व. नित्यानंद हमारे लिए सम्मानित रहे : प्रधान

सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी ने लगे आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि भारत सैनी के परिवार द्वारा लगाई मूर्ति खंडित हो गई थी। जिस कारण उसके स्थान पर एक दानदाता की तरफ से नई लगाई जा रही है। वहीं स्मृति फलक पर आश्वस्त किया जा चुका है कि इसे सभा भवन में लगवाया जाएगा। हमारे लिए स्व. नित्यानंद सैनी सम्मानित रहे है।

एक नवंबर से अब तक प्रदेश में 927 व जिले में 191 ई-पंजीकरण

ई-पंजीकरण में महेंद्रगढ़ दूसरे नंबर पर पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- जमीन की ऑनलाइन रजिस्ट्री होने से नागरिकों को मिली सुविधा
- जिला में बेहतर तरीके से चल रही है कागज रहित पंजीकरण प्रणाली

जिला महेंद्रगढ़ में ई-पंजीकरण का कार्य सही तरीके से चल रहा है। इससे आम नागरिकों को बहुत अधिक सहूलियत मिल रही है। जिला में एक नवंबर से अब तक 191 रजिस्ट्री ऑनलाइन हुई है। ई रजिस्ट्रेशन करने में जिला महेंद्रगढ़ पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर कुरुक्षेत्र जिला है।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि राज्य सरकार ने एक नवंबर, 2025 को पूरे हरियाणा में शुरू की गई कागज़ रहित पंजीकरण प्रणाली कुशलता से काम कर रही है और संपत्ति के पंजीकरण के लिए नागरिक सेवाओं में कोई बाधा नहीं आई है। उन्होंने कहा कि सभी पंजीकरण कार्यालय सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यह नई कागज रहित प्रणाली पंजीकरण को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए शुरू की गई थी। डीसी ने बताया कि इस प्रणाली के शुरू होने के बाद से प्रदेश में 927 दस्तावेज़ सफलतापूर्वक पंजीकृत किए जा चुके हैं। जिला महेंद्रगढ़ में शेष आवेदनों का सत्यापन विभिन्न कार्यालयों में चल रहा है, जिसे पांच दिनों की समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

नागरिकों की सुविधा के लिए कई सुधार किए गए हैं। इनमें दस्तावेज़ अपलोड करने की सीमा को 10 मेगाबाइट से बढ़ाकर 40 मेगाबाइट करना, और साझेदारी या सहयोग विलेख के लिए शब्द सीमा को 500 से बढ़ाकर 10 हजार करना शामिल है। 12 नवंबर से आपत्ति सहित वापस भेजें नामक एक नई सुविधा शुरू की जाएगी, जिससे आवेदक बिना अतिरिक्त शुल्क दिए सुधारे गए दस्तावेज़ों को फिर से अपलोड कर सकेंगे। अटॉर्नी का सामान्य अधिकार विकल्प भी सरल बना दिया गया है और इसकी नियुक्ति बुक की जा सकेगी। उपायुक्त ने कहा कि विभाग इस प्रणाली को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और नागरिकों तथा संस्थानों से रचनात्मक सुझावों का स्वागत करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजीकरण प्रक्रिया कुशल, भरोसेमंद और नागरिक-अनुकूल बनी रहे।

मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर जमीन की रजिस्ट्री की, 11 पर केस

आर्थिक अपराध शाखा की जांच में खुला राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

एक मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर दो कनाल जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने का मामला सामने आया है। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जांच के बाद तहसीलदार सहित कुल 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह पूरा फर्जीवाड़ा करीब एक करोड़ दस लाख रुपए की जमीन हड़पने के लिए रचा गया आपराधिक षड्यंत्र बताया जा रहा है।

शहर के मोहल्ला काबिला संघीवाड़ा निवासी अनिल कुमार जैन ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि उनके परिवार की गांव छिलरो, तहसील नांगल चौधरी में दो कनाल जमीन है। इस जमीन के सह-स्वामी सुनील कुमार जैन का निधन 28 अप्रैल 2019 को हो चुका था, लेकिन आरोपितों ने मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर उसके नाम से एक अन्य व्यक्ति के माध्यम से जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करा ली।

जांच में यह आया सामने

आर्थिक अपराध शाखा की जांच के अनुसार मुख्य आरोपित नेमपाल निवासी पाली ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक फर्जी वसीका बैयनामा तैयार करवाया। इसके बाद उसी फर्जी दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्री कर जमीन बेच दी गई। फर्जी रजिस्ट्री के बाद आरोपित ने यह जमीन चार महिलाओं को कुल एक करोड़ 10 लाख रुपये में बेच दी। आरोपितों पर इस पूरे षड्यंत्र को अंजाम देने के लिए आईडी कार्ड भी नकली तैयार करने का आरोप लगा है।

आर्थिक अपराध शाखा ने की फर्जीवाड़े की पुष्टि

इंचार्ज उपनिरीक्षक युद्धवीर सिंह की ओर से की गई जांच रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर रजिस्ट्री कराई गई है। रिपोर्ट में इसे गंभीर आपराधिक षड्यंत्र मानते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने थाना निजामपुर में मामला दर्ज किया गया है। मामले की प्रारंभिक जांच एएसआई राकेश कुमार को सौंपी गई है, जबकि आगे की विस्तृत जांच आर्थिक अपराध शाखा नारनौल के पास रहेगी। पुलिस का कहना है कि दस्तावेजों की फॉरेंसिक जांच और आरोपितों के बैंक लेनदेन की भी जांच की जाएगी, ताकि इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

अच्छे-अच्छे कामों के साथ फुल एंज्वॉयमेंट

बच्चो, सोचो जरा चिल्ड्रेंस-डे पर अगर कोई एंजेल आकर तीन विशेज मांगने को कहे तो क्या मांगोगे या फिर अगर कोई सुपर पॉवर मिल जाए तो क्या करना चाहोगे? ये सवाल **बालभूमि** ने पूछे टीवी शोज के चाइल्ड आर्टिस्ट्स से। साथ में यह भी पूछा कि वे चिल्ड्रेंस-डे कैसे सेलिब्रेट करते हैं, इनके बालभूमि के अपने नन्हे दोस्तों के लिए क्या मैसेज हैं?

बच्चों के लिए एक नो-जजमेंट-जोन बनाना चाहूंगाः सुभान खान

सोनी सब के शो 'गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय' में बाल कार्तिकेय की भूमिका सुभान खान निभा रहा है। उससे जब पूछा गया कि अगर कोई एंजेल उसकी तीन विशेज पूछे तो वह क्या होगी, उसने एक पल सोचा फिर बोला, 'मेरी पहली विश होगी कि दुनिया में एक भी बच्चा भूखा न रहे। हर बच्चे को शिक्षा मिले। हर बच्चे के चेहरे पर बिग स्माइल हो। एंजेल से मेरी दूसरी विश होगी कि मेरे सारे फैंस और दोस्त खूब टैलेंटेड बनें, उन्हें सक्सेस मिले। मेरी तीसरी विश होगी कि मुझे हमेशा अच्छे शोज में काम करने का मौका मिले ताकि मैं अपने ऑडियंस को एंटरटेन करता रहूं।' सुभान खान को अगर सुपर-पॉवर मिल जाए तो वह क्या करेगा, पूछने पर वह जवाब देता है, 'अगर मुझे सुपर-पॉवर मिल जाए तो मैं सबसे पहले यह श्योर करूंगा कि दुनिया के हर बच्चे को राइट-टू-एजुकेशन के साथ, राइट-टू-इमोशनल-सपोर्ट मिले। मैं बच्चों के लिए एक 'नो-जजमेंट-जोन' बनाना चाहूंगा, जहां कोई भी उन्हें उनके लुक्स, मार्क्स या सपनों के लिए जज न करे। उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी आजादी मिले।' सुभान चिल्ड्रेंस-डे कैसे सेलिब्रेट करता है, वह बताता है, 'हम सेट पर ही केक काटते हैं, चॉकलेट्स शेयर करते हैं और जमकर मस्ती करते हैं।' चिल्ड्रेंस-डे के अवसर पर सुभान 'बालभूमि' के अपने दोस्तों के लिए मैसेज देता है, 'मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि नेवर स्टॉप ड्रीमिंग। आप जो भी बनना चाहते हैं, उसके लिए मेहनत करें। हैप्पी चिल्ड्रेंस-डे।' *

मेरी विश होगी मुझे ऑस्कर अवार्ड मिलेः हरीति जोशी

हरीति जोशी इन दिनों सन नियो चैनल के शो 'दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा का किरदार निभा रही है। वह हंसते हुए कहती है, 'अगर कोई एंजेल आकर मेरी तीन विशेज पूरी करने की बात कहे, तो मैं उससे पहली विश मांगूंगी कि मुझे ऑस्कर अवॉर्ड मिले, ताकि मेरे परिवार और देश का नाम रोशन हो। मेरी दूसरी विश होगी कि मैं क्रूज वैकेशन पर जाऊं, जहां मैं समंदर के बीच मजे करूं। मेरी तीसरी विश होगी कि हमारा भारत एजुकेशन में दुनिया में सबसे आगे हो, यहां हर बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़े और सभी को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले।' हरीति नेचर और एनवॉयर्नमेंट को लेकर भी काफी अवेयर है। वह कहती है, 'अगर मुझे कोई सुपर पॉवर मिल जाए तो मैं सबसे पहले अपने पर्यावरण को बचाना चाहूंगी। मैं पेड़ों को काटने से रोकूंगी, हर जगह पेड़ लगवाऊंगी और नदियों को साफ रखूंगी। मैं चाहूंगी कि हमारी धरती हमेशा हरी-भरी और खूबसूरत रहे।' हरीति ने वैसे तो इस बार चिल्ड्रेंस-डे को लेकर कुछ खास प्लानिंग नहीं की है, लेकिन उसे सेट पर किसी सरप्राइज की उम्मीद है। वह बताती है,'इस बार मैं अपने शो के सेट पर ही चिल्ड्रेंस-डे सेलिब्रेट करूंगी। इसके अलावा मैं स्कूल और अपने घर के आस-पास के बच्चों को चॉकलेट्स भी बांटूंगी।' चिल्ड्रेंस-डे पर हरीति 'बालभूमि' के अपने दोस्तों को यह मैसेज देती है, 'अपने सभी दोस्तों से मैं यही कहूंगी कि हमेशा खुश रहें, स्ट्रॉन्ग बनें और अपने सपनों को साकार करें। बड़ों की बात मानें, पढ़ाई करें, खेलें और खुश रहें।' *

सड़क पर रहने वालों के लिए घर बनवाऊंगाः सैयांश गुप्ता

सोनी सब चैनल के पॉपुलर शो 'इत्ती सी खुशी' में बनी दिवेकर का रोल निभा रहे सैयांश गुप्ता से जब चिल्ड्रेंस-डे पर किसी एंजेल से मिलने और तीन विशेज पूरी करने के बारे में पूछा तो वह बड़े भोलेपन से कहता है, 'मैं एंजेल से बहुत सारे खिलौने और टेडी बियर मांगूंगा। मैं दूसरी विश मांगूंगा कि मैं इतना सक्सेसफुल बन जाऊं, जिससे मेरे मम्मी-पापा को मुझ पर प्राउड फील हो। तीसरी विश में मैं एंजेल से सभी के लिए खुशियां मांगूंगा।'अगर सैयांश को सुपर पॉवर मिल जाए तो वह क्या करेगा, वह बताता है, 'यदि मुझे सुपर पॉवर मिलेगी, तो मैं ऐसे लोगों के लिए घर बनवाऊंगा, जो सड़कों पर रहने को मजबूर हैं। उन लोगों को खाना खिलाऊंगा, जिन्हें पेटभर खाना नहीं मिल पाता। मैं चाहता हूं कि कोई भी इंसान भूखा या बेघर न रहे।' सैयांश इस बार कुछ अलग ढंग से चिल्ड्रेंस-डे सेलिब्रेट करने की सोच रहा है। वह बताता है, 'मैं हर साल चिल्ड्रेंस-डे अपने फ्रेंड्स के साथ खूब एंज्वॉय करता हूं। इस बार मैं कुछ अलग करना चाहता हूं। मैंने तय किया है कि मैं चिल्ड्रेंस-डे के दिन जरूरतमंद बच्चों को खाना खिलाऊंगा और पूरा दिन उन्हीं के साथ बिताऊंगा। उनके साथ मेरा दिन भी खास बन जाएगा, क्योंकि मुझे कई सारे चेहरों पर मीठी-मीठी मुस्कुराहट देखने को मिलेगी।'

सैयांश का 'बालभूमि' के अपने दोस्तों को मैसेज है, 'मैं अपने सभी दोस्तों से यही कहना चाहूंगा कि खूब खाओ-पीओ और मस्ती करो। खूब धमाल मचाओ, लेकिन किसी को परेशान मत करो। आप अच्छे बनकर रहेंगे तो सभी आपके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे, आपसे प्यार करेंगे।' * **प्रस्तुतिः बालभूमि फीचर्स**

प्रेरणा / विनय कुमार पाठक

कुछ बच्चे अपनी पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अपने इनोवेटिव आइडियाज से दूसरों की हेल्प भी करते हैं। इन्हीं लोगों में है अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की किशोरी तेजस्वी मनोज। तेजस्वी को टाइम मैग्जीन ने 'किड ऑफ द ईयर' चुना है।

सीनियर सिटीजंस को साइबर क्राइम से बचा रही है
मल्टी-टैलेंटेड तेजस्वी मनोज

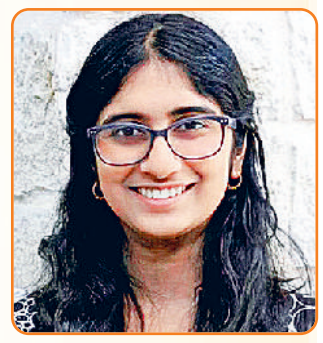

बच्चो, प्रतिष्ठित टाइम मैग्जीन ने अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की 17 वर्षीया तेजस्वी मनोज को 'किड ऑफ द ईयर-2025' चुना है। तेजस्वी अमेरिका के टेक्सास राज्य के लेबनान ट्रेल हाई स्कूल में पढ़ती है। तुम जरूर जानना चाहोगे कि तेजस्वी ने आखिर ऐसा क्या किया, जो उसे यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है।

तेजस्वी मनोज की उपलब्धिः तेजस्वी ने कुछ समय पूर्व 'शील्ड सीनियर' नाम की एक वेबसाइट बनाई। इस वेबसाइट पर बुजुर्गों को सिखाया जाता है कि किस तरह वे संदिग्ध ई-मेल या मैसेज को पहचानें और उसकी कहां रिपोर्ट करें? साथ ही साइबर फ्रॉड से कैसे बचें? टाइम मैग्जीन ने 'शील्ड सीनियर' की फाउंडर तेजस्वी को उसकी इस उपलब्धि के लिए न केवल 'किड ऑफ द ईयर' चुना है, साथ ही मैग्जीन में तेजस्वी की इस उपलब्धि और उसके काम पर विशेष आलेख भी प्रकाशित किया गया है।

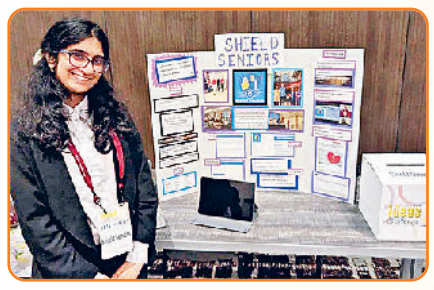

कहां से मिली प्रेरणाः तेजस्वी को 'शील्ड सीनियर' बनाने की प्रेरणा एक घटना से मिली। एक दिन उसने सुना कि साइबर ठगों ने उसके दादाजी को धोखा देने की कोशिश की। यह बात सुनकर तेजस्वी सोच में पड़ गई, 'अगर मेरे दादाजी के साथ ऐसा हो सकता है, तो इससे कितने और बूढ़े लोग परेशान होते होंगे?' उसने इंटरनेट पर खोजबीन शुरू की और पाया कि 2024 में करीब 8,60,000 साइबर स्कैम हुए, जिनसे लोगों के लगभग 16 बिलियन डॉलर ठगे गए। इनमें से एक तिहाई से अधिक रकम 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों से ठगी गई थी। तेजस्वी को यह देखकर बहुत चिंता हुई। उसने निश्चय किया कि वह सीनियर सिटीजंस को इन धोखेबाजों से बचाने के लिए कुछ करेगी। एक साल के भीतर ही उसने 'शील्ड सीनियर' नाम की वेबसाइट बना डाली।

मल्टी-टैलेंटेड है तेजस्वीः तेजस्वी बहुमुखी प्रतिभा की धनी है। वह स्काउटिंग अमेरिका की सक्रिय सदस्य है। वह बहुत अच्छा वायलिन बजाती है। वह अपने स्कूल की ऑर्केस्ट्रा टीम में भी शामिल है। साथ ही एक एनजीओ के साथ मिलकर शरणार्थी बच्चों को गणित और अंग्रेजी पढ़ाती है।

बच्चो, तेजस्वी हमें इस बात के लिए प्रेरित करती है कि उम्र छोटी हो या बड़ी, अगर हम ठान लें तो किसी भी समस्या का हल खोज सकते हैं। *

कविता / अखिलेश श्रीवास्तव चमन

पापा तुमने कभी न जाना

पापा तुमने कभी न जाना
क्यों हम गुमसुम होते हैं।
मम्मी तुमने कभी न समझा
आखिर क्यों हम रोते हैं।
नींद नहीं पूरी हो पाती
सुबह जागना पड़ता है।
हड़बड़-तड़बड़ भारी बस्ता
लाद भागना पड़ता है।
सब कहते पढ़ने-लिखने को
विद्यालय हो चाहे घर।
कोई कभी नहीं कहता कि
बच्चों खेलो जी भरकर।
नहीं चाहिए हमें खिलौने
नहीं चॉकलेट, ना टॉफी
मम्मी प्यार करो, दुलराओ
बस इतना ही है काफी।
थोड़ा समय हमें दो पापा
धंधे से छुट्टी पाकर।
कभी तो बैठो पास हमारे
ऑफिस से जल्दी आकर।
पापा हमसे कहें कहानी
मम्मी हमको दुलराएं।
फिर तो हम खुश रहें हमेशा
कभी न रोएं, चिल्लाएं।

एआई इमेज

कहानी
गोविंद भारद्वाज

समझदारी और साहस हो तो बच्चे क्या नहीं कर सकते! यश और हर्ष ने एक बच्चे को टी-स्टॉल पर पिटते देखा तो दोनों ने जाकर उसे बचाया। पता चला टी-स्टॉल का मालिक उस बच्चे से बाल मजदूरी कराता है। क्या यश और हर्ष उस बच्चे की कोई मदद कर सके, टी-स्टॉल वाले को सबक सिखा सके?

नन्हे जागरूक

यश और हर्ष दोनों सगे भाई हैं। वे हमेशा एक-दूसरे के साथ रहते हैं। स्कूल भी साथ ही आया-जाया करते हैं। उन दोनों भाइयों में आपस में बहुत प्यार है, कभी आपस में लड़ते-झगड़ते नहीं हैं। दोनों भाई समझदार और साहसी हैं। एक शाम दोनों भाई बाजार जा रहे थे। रास्ते में एक चाय की दुकान के सामने काफी भीड़ जमा देखी। यश ने पूछा, 'हर्ष, यहां पर इतनी भीड़ क्यों जमा है?'

'मुझे तो किसी लड़के की रोने की आवाज आ रही है। लगता है कोई किसी बच्चे को पीट रहा है।' हर्ष भीड़ से आ रहे शोर को ध्यान से सुनते हुए बोला।

दोनों भाई तेज कदमों से भीड़ के पास गए। उन्होंने देखा, एक आदमी दस-बारह साल के बच्चे को बुरी तरह से पीट रहा है। खड़ी भीड़ सिर्फ तमाशा देख रही है। कोई भी उस बच्चे को बचाने का प्रयास नहीं कर रहा है। यश और हर्ष को यह सब देखकर बहुत बुरा लगा। दोनों को बहुत गुस्सा आया। यश ने उस आदमी को रोकते हुए पूछा, 'अंकल, आप इस बच्चे को क्यों पीट रहे हैं?' 'तुम कौन होते हो मुझसे यह पूछने वाले... चलो फूटो यहां से।' आदमी गुस्से से बोला।

यह सुन यश-हर्ष को और ज्यादा तेज गुस्सा आ गया। यश ने बच्चे का हाथ पकड़ा और बोला, 'मैं हूं यश और यह है हर्ष। अब बताएं आप इसे क्यों मार रहे हैं?'

वह आदमी गुस्से से बोला, 'इसने मेरा नुकसान किया है।' 'कैसा नुकसान?' यश ने तुरंत पूछा।

'इसने कांच के गिलास धोते समय तोड़ दिए हैं।' वह आदमी, जो टी-स्टॉल का मालिक था, गुस्से से लाल होकर बोला।

'क्या आप इसे अपने टी-स्टॉल पर नौकर रखकर इससे जूठे गिलास, बर्तन धुलवाते हैं?' हर्ष ने कुछ तेज स्वर में पूछा। टी-स्टॉल वाला बोला, 'क्यों नहीं धुलवाऊं गिलास, कप-प्लेट, बर्तन। पूरे पांच सौ रुपए देता हूं इसे हर महीने।' हर्ष फिर पलट कर बोला, 'इसका मतलब यह हुआ कि आप एक गरीब बच्चे से मजदूरी करवा रहे हैं, बाल मजदूरी। आपको पता होना चाहिए कि छोटे बच्चे को मजदूरी पर रखना कानूनन जुर्म है?'

'जुर्म... कैसा जुर्म?' टी-स्टॉल वाले ने आश्चर्य और गुस्से से पूछा।

'इसकी पढ़ने की उम्र में आपने इसे काम पर रख रखा है। दूसरा यह कि यह नाबालिग है, फिर भी आपने इसे काम पर रखा है। ऊपर से आप इसे पूरा मेहनताना भी नहीं दे रहे हैं। ये सब अपराध की श्रेणी में ही आता है अंकल जी... ।' यश ने अंगुलियों पर चाय वाले के जुर्म गिना दिए। यश की ये सब कानूनी बातें सुनकर टी-स्टॉल वाले का दिमाग चकरा गया, उसने पूछा, 'तुम बच्चों को कैसे पता... ये कानूनी बातें?'

हर्ष ने मुस्कुराते हुए बताया, 'अंकल, समय-समय पर हमारे स्कूल में इस बारे में जानकारियां दी जाती हैं। टीवी-अखबारों में भी इन सब की जानकारी दी जाती है। एक और बात बताऊं अंकल?'

'कौन-सी बात?' टी-स्टॉल वाले ने तुरंत पूछा।

हर्ष ने बताया, 'हमारे पापा-मम्मी दोनों ही शहर के जाने-माने वकील हैं।'

यह सुनकर वह आदमी घबराने की बजाय उल्टे बच्चों पर बिगड़ उठा, 'एक तो इस बच्चे की गरीबी पर रहम खाते हुए हमने नौकरी दी, ऊपर से तुम लोग मुझे ही अपराधी ठहरा रहे हो। चलो भागो यहां से वरना... ।'

'वरना क्या, हमें मारोगे? हम इसे आपके चुंगल से छुड़वाए बिना कहीं नहीं जाने वाले। हमारी बात मान लो वरना हम पुलिस को बुलाएंगे।' हर्ष कड़े स्वर में बोला।

'बुलाओ पुलिस ... जो भी करना है करो। बड़े आए हैं मुझको धमकाने। इस टी-स्टॉल पर न जाने कितने पुलिसवाले, वकील और तुम जैसे रोज आते हैं चाय पीने, उन्होंने कभी मुझे नहीं टोका।' टी-स्टॉल वाला बोला।

हर्ष तुरंत पास की एक परिचित दुकान में गया, वहां से फोन पर उसने पुलिस कंट्रोल रूम को पूरी घटना की जानकारी दी। कुछ देर बाद ही पुलिस की गाड़ी वहां आ गई। अब तो वहां खड़ी भीड़ को भी जोश आ गया। उन सबने टी-स्टॉल वाले के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। यश और हर्ष की होशियारी और हिम्मत के सामने टी-स्टॉल मालिक की एक न चली। उस कप-प्लेट धोने वाले बच्चे ने पुलिस को टी-स्टॉल के मालिक की सारी करतूतें बताईं। पुलिस वाले तुरंत उसे थाने ले गए और बच्चे को बाल सुरक्षा गृह में भिजवा दिया गया। यश और हर्ष की जागरूकता और हिम्मत के कारण उस अनाथ बच्चे को बाल मजदूरी से छुटकारा मिल गया।

अगले दिन सभी अखबारों में यश और हर्ष की बहादुरी और समझदारी की खबर उनकी तस्वीरों के साथ छपी थी। जिला प्रशासन ने दोनों भाइयों को 'नन्हे जागरूक नागरिक' सम्मान देने की घोषणा की। कई दिनों तक शहर में यश-हर्ष की चर्चा होती रही। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बाल कथाओं की एक किताब 'हारिए न हिम्मत' कुछ समय पहले छपकर आई है। इसमें नौ कहानियां और महान देशभक्त, क्रांतिकारी बिरसा मुंडा के जीवन की प्रमुख घटनाओं को संकलित किया गया है। इसके लेखक डॉ. दिनेश पाठक 'शशि' हैं। बच्चो, ये सभी कहानियां पढ़ने में रोचक तो हैं ही, इनसे तुम्हें अच्छे, समझदार और साहसी बनने की प्रेरणा भी मिलेगी। 'दादू आए खुशियां लाए' कहानी में रोहित की बाजारू खाना खाने की आदत को उसके दादाजी कैसे सुधारते हैं, इसे पढ़ सकते हो। किसी संकट के समय में भी धैर्य और साहस से दूसरे की मदद की जा सकती है, इसे 'हारिए न हिम्मत' कहानी में रोचक तरीके से बताया गया है। कुछ इसी तरह की कहानी 'पकड़ा गया चोर' है। इसमें नंदन कैसे बुद्धिमानी से चोर को पकड़वाता है, यह पढ़ सकते हो। दो भाइयों सागर, आकाश और उनकी पालतू बिल्ली किट्टी की मजेदार कहानी है 'और वह रोने लगी।' इस किताब में जानवरों पर आधारित भी दो कहानियां हैं। 'खों खों दादा सुधर गए' में गुस्सैल बंदर की कहानी है तो 'आलस का परिणाम बुरा' में डॉगी के बच्चे की कहानी है। इन सभी कहानियों को पढ़ने में तुम्हें बहुत मजा आएगा। *

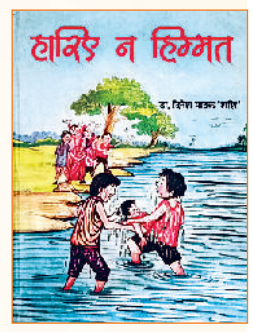

पुस्तकः हारिए न हिम्मत, **लेखकः** डॉ. दिनेश पाठक 'शशि', **मूल्यः** 350 रुपए, **प्रकाशकः** जान्हवी प्रकाशन, दिल्ली

जीके क्विज-179

1. आईसीसी वूमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच कौन बनीं?
2. हाल ही में रायपुर में छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किसने किया?
3. महाराष्ट्र में औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नया नाम क्या रखा गया है?
4. वर्ल्ड चिल्ड्रेंस-डे कब मनाया जाता है?
5. विश्व मधुमेह दिवस (वर्ल्ड डायबिटीज डे) कब मनाया जाता है?
6. किस पशु को रेगिस्तान का जहाज भी कहा जाता है?
7. इन दिनों सोनपुर का मेला किस राज्य में चल रहा है?
8. 'ग्रैंड मास्टर' शब्द का संबंध किस खेल से है?
9. श्रीलंका की राजधानी कहां है?
10. महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री कौन हैं?

बच्चो, जीके क्विज-179 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-178 का उत्तर : 1.दक्षिण अफ्रीका, 2.हरमनप्रीत कौर, 3.रोहित शर्मा, 4.साने तकाइची, 5.न्यायमूर्ति सूर्यकांत, 6.अमित शाह, 7.अवतल लेंस, 8.कार्बन डाइऑक्साइड, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.LVM3-M5 (बाहुबली रॉकेट)

जीके क्विज-178 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, चुनेंद्र-बालोद, रितेश-मटियारी, आद्या-मानपुर, मन्नत-कैथल, सौरभ-बालोद, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-महेंद्रगढ़, रोशन-रायपुर

रंग भरो-189

रंग भरो-189 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रितेश, मटियारी

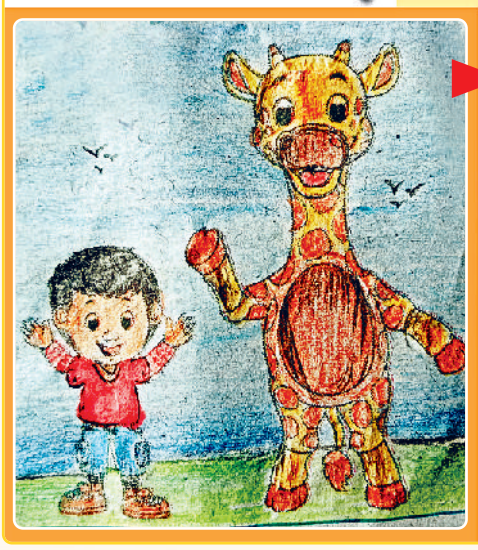

आशना, जांजगीर

प्रियांशु, रायपुर

ईशान, ई-मेल से

सूर्यांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, साकेत-भोपाल, हर्ष-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिनेश-करनाल, रोहन-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

पराग, ई-मेल से

रंग भरो 190

बच्चो, यहां गार्डन में साथ मिलकर दौड़ रहे बच्चों का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

शिकायत का गंभीरता से निपटान करें : नगराधीश

नारनौल। जिला व उपमंडल स्तर पर लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में लघु सचिवालय में नगराधीश डा. मंगल सेन ने आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 68 शिकायतें आई, जिनमें अधिकतर का मौके पर ही समाधान किया। डॉ. मंगल सेन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायत का पूर्ण गंभीरता के साथ निपटान करें।

युवा महोत्सव में रहा बेहतर प्रदर्शन

नांगल चौधरी। मीरपुर यूनिवर्सिटी के निर्देशानुसार आरपीएस स्कूल बलाना में युवा महोत्सव कार्यक्रम में शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। प्राचार्य डॉ. अनिल यादव ने विजेता रहे प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया है। इस दौरान विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

युवा महोत्सव झूमर-2025 का समापन, खूब दिखाई प्रतिभा

बलाना का आरपीएस इंजीनियरिंग कॉलेज चैम्पियन, डिग्री कॉलेज रनर-अप रहा

पूरे जोन के लगभग तीन हजार विद्यार्थियों का सात मंचों पर जोरदार प्रदर्शन

विश्वविद्यालय की तरफ से युवा महोत्सव विजेता महाविद्यालय को 21 हजार की राशि दी गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता टीम ट्रॉफी के जश्न मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज बलाना में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के सौजन्य से हरी-भरी वादियों, अरावली की शैल मालाओं के बीच 8वां तीन दिवसीय जोनल युवा महोत्सव झूमर का अंतिम दिन ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ संपन्न हुआ। इस गौरवशाली महोत्सव में आरपीएस इंजिनियरिंग कॉलेज बलाना ने अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीतकर अपनी सर्वश्रेष्ठता को एकबार फिर से साबित कर दिया है। पूरे जोन के लगभग तीन हजार विद्यार्थी विभिन्न सात मंचों पर अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे थे। विभिन्न कॉलेजों से आए इन प्रतिभागियों ने 46 इवेंट्स प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे यह युवा महोत्सव भारतीय व हरियाणवी संस्कार व धरोहर को दर्शाने वाला एक भव्य मंच सिद्ध हुआ। विश्वविद्यालय की तरफ से युवा महोत्सव विजेता महाविद्यालय को 21 हजार की राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. दिलबाग सिंह, विशिष्ट अतिथि आरपीएस चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, संस्था सीईओ इंजि. मनीष राव, संस्था डिप्टी सीईओ कुनाल राव, डॉ. करण सिंह डीएसडब्ल्यू, डॉ. अदिति शर्मा डीवाईडब्ल्यू एवं डॉ. सुशांत असिस्टेंट डॉयरेक्टर एडीवाईडब्ल्यू रहे। विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि कॉलेज डायरेक्टर महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, डीन प्रो. आरएस यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान, डीन डॉ. हेमन्त कुमार रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे परिणाम

क्लासिकल डांस में प्रथम आरपीएस इजि. कॉलेज, द्वितीय राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़, तृतीय आरपीएस डिग्री कॉलेज, चतुर्थ यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटिकरा, ग्रुप सॉंग इंडियन प्रथम आरपीएस डिग्री कॉलेज, द्वितीय राजकीय महाविद्यालय नारनौल, तृतीय यदुवंशी डिग्री कॉलेज महेंद्रगढ़, चतुर्थ राजकीय महिला महाविद्यालय महेंद्रगढ़, हरियाणवी रागनी शोलो प्रथम राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल, द्वितीय आरपीएस इंजि. कॉलेज, तृतीय आरपीएस डिग्री कॉलेज, चतुर्थ राजकीय महाविद्यालय नारनौल, वन-एक्ट-प्ले प्रथम आपीएस इंजि. कॉलेज, द्वितीय आरपीएस डिग्री कॉलेज, तृतीय यदुवंशी डिग्री कॉलेज, चतुर्थ राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल, हिन्दी कविता प्रथम आरपीएस इंजि कॉलेज, द्वितीय वैद्यनाथ चौधरी राजकीय महिला महिद्यालय, इस प्रकार तीन दिन तक 46 प्रतियोगिता ने विभिन्न महाविद्यालयों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया जिसमे आरपीएस इंजि. कॉलेज बलाना 17 प्रतियोगिता में प्रथम रहा।

युवाओं को नई पहचान दी : प्रो. दिलबाग सिंह

मुख्यातिथि प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि युवा महोत्सव झूमर की अभूतपूर्व सफलता और आरपीएस कॉलेज को ओवरऑल चैंपियन का खिताब मिलने पर वह अत्यंत हर्षित है। यह केवल एक जीत नहीं, बल्कि क्षेत्र की प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की कठिन परिश्रम, समर्पण और अटूट सांस्कृतिक निष्ठा का प्रमाण है। प्रो. करण सिंह बताया कि तीन दिवसीय युवा महोत्सव में आरपीएस कॉलेज प्रबंधन समिति ने युवाओं को नई पहचान दी है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा यह विजय वास्तव में हमारे विद्यार्थियों के उत्साह, प्रेरणा और संस्कार की विजय है। विश्वविद्यालय युवा महोत्सव कॉलेज विद्यार्थियों के लिए उत्साह, प्रेरणा और संस्कार पैदा करने का उचित मंच है। सीईओ इंजि. मनीष राव ने बताया कि आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। हमारे विद्यार्थियों ने जो समग्र प्रदर्शन किया है, वह उत्कृष्ट है। उन्होने सभी विजेताओं व प्रतिभागियों को बधाई दी तथा बताया कि हमें लम्बी उड़ान भरने के लिए सदा सकारात्मक सोच मन में रखनी चाहिए। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव ने बताया कि तीन दिवसीय झूमर युवा महोत्सव का सफल समापन और आरपीएस कॉलेज का चैंपियन बनना हमारे लिए एक अविस्मरणीय पल है। कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव ने बताया कि जिन्होंने झूमर महोत्सव को एक ऐतिहासिक सफलता दिलाई। उन सभी का तीन दिवसीय इस युवा महोत्सव में प्रत्येक प्रतिभागी को विशेष सुविधाएं व व्यवस्थाएं दी गई। डीन प्रो. आरएस यादव ने बताया कि युवा महोत्सव के दौरान कला और शिल्प प्रतियोगिताओं का माहौल भी बेहद उत्साहपूर्ण रहा, जिसने विद्यार्थियों को रचनात्मकता को एक मूर्त रुप देने का अवसर दिया।

नागरिकों से पहुंचने का किया आह्वान

महाराजा शूर सैनी जयंती समारोह को लेकर विधायक ने ली बैठक

नारनौल। विधायक ओम प्रकाश यादव ने रेस्ट हाउस में नई अनाज मंडी में 16 नवंबर को होने वाले राज्य स्तरीय महाराजा शूर सैनी जयंती समारोह की तैयारीयों को लेकर सभी पार्षदों व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस मौके पर नगर परिषद की चेयर पर्सन कमलेश सैनी भी मौजूद थी। विधायक ने कहा कि 16 नवंबर को नई अनाज मंडी नारनौल में होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। इस समारोह को भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

नारनौल। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने सभी पार्षदों से आह्वान किया कि वे इस मौके पर अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि यह बड़ा कार्यक्रम है जिसमें प्रदेश के कोने-कोने से नागरिकों का आगमन होगा।

आईआरएस अधिकारी ने खटोटी कलां में लगाया निःशुल्क शिविर

- 70 मरीजों को ऑपरेशन के चिन्हित 150 चश्मे वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दिवंगत सूबे सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके आईआरएस पुत्र मनोज यादव की तरफ से खटोटी कलां में मल्टी स्पेशिलिटी निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ दिवंगत के बड़े भाई रघुवीर सिंह और छोटे भाई मोहर सिंह ने किया। शिविर में महात्मा गांधी हॉस्पिटल जयपुर के विभिन्न रोगों के विशेषज्ञों के अलावा मिश्रो देवी नेत्र

नारनौल। शिविर में जांच कराते मरीज। फोटो : हरिभूमि

अस्पताल सहित विभिन्न ने मरीजों की जांच की गई। शिविर में आंखों के 500 मरीजों की जांच के अलावा 70 मरीजों को ऑपरेशन के चिन्हित, 150 चश्मे वितरित किए गए। शिविर में ईएनटी के 100, स्त्री व बाल रोग के 25, हड्डी रोग 155 मरीजों की जांच की गई। मनोज यादव ने कहा कि वह चाहते हैं कि जिस गांव में जन्म लिया है वहां के लोग स्वास्थ्य रहे।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

प्रथम पुरस्कार (कार, 1 नग)

1. ब्रिज शंकर सुपुत्र श्री मानव लाल आहूजा, न्यू मॉडल टाऊन, हिसार

द्वितीय पुरस्कार (स्कूटी, 2 नग)

1. नैनिका मौर्या सुपुत्री श्री उत्कर्ष मौर्या, हालू बाजार, भिवानी
2. उदयभान सुपुत्र श्री देवदत्त शुक्ला, लाईन पार एरिया, बहादुरगढ़

तृतीय पुरस्कार (एलईडी टीवी, 2 नग)

1. श्रीमति मंजू पत्नी श्री विनोद कुमार, म.नं. 1564, एनएचबी कॉलोनी, रोहतक
2. समर तायल सुपुत्र श्री भुनेश्वर तायल, आदर्श नगर, महेन्द्रगढ़

चौथा पुरस्कार (रेफ्रीजरेटर, 2 नग)

1. दरिया सिंह सुपुत्र श्री हरिराम, 232/28, मालवीय नगर, सोनीपत
2. प्रथम कुमार साहू सुपुत्र श्री दिवांकर साहू, नजदीक तालाब चौक, झज्जर

पांचवा पुरस्कार (वाशिंग मशीन, 2 नग)

1. जितेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री बिशम्बरदयाल, गौतम नगर, रेवाड़ी
2. रेयांश माथुर सुपुत्र श्री प्रेमलाल माथुर, रतिया रोड़, फतेहाबाद

छठा पुरस्कार (माईक्रोवेव ऑवन, 3 नग)

1. आरती, म. नं. 119, धर्मबीर कॉलोनी, वार्ड नं. 3, घरौंडा, करनाल
2. महासिंह सुपुत्र श्री रणजीत सिंह, राजनगर, कैथल रोड, जीन्द
3. श्री दलबीर सिंह सुपुत्र कपूर सिंह, वार्ड नं. 1, हिसार बाईपास, शास्त्री नगर, रोहतक

सातवां पुरस्कार (गैस स्टोव (2 बर्नर), 3 नग)

1. सीमा धर्मपत्नी श्री राकेश जुलाना, जीन्द
2. लक्ष्मण दास नम्बरदार पुत्र श्री कंवरभान, दुजाना, बेरी, झज्जर
3. राम निवास सुपुत्र श्री बिरजू, गांव माजरा, भाखली, रेवाड़ी

आठवां पुरस्कार (इंडक्शन कुक टॉप, 5 नग)

1. श्री सोमदत्त त्यागी सुपुत्र श्री मनजीत राम त्यागी, 449 बी, ओल्ड डीसी रोड, सोनीपत
2. श्रीमति ओमवति सुपुत्र भूप सिंह, गांव व डा. बलंभा, तह. महम, रोहतक
3. सचिन सुपुत्र श्री रत्तन लाल, मौहल्ला मिराजी, शिव नगर, वार्ड नं. 20, नारनौल, महेन्द्रगढ़
4. आदित्य वर्मा पुत्र श्री भीम सिंह निवासी निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी
5. राजबीर, श्री वीर सहाय, भट्टू रोड, मुलाना सिनेमा, फतेहाबाद

नौंवा पुरस्कार (रुम हीटर, 5 नग)

1. लेखपाल सुपुत्र श्री रामदिया, बख्तावरपुर, सोनीपत
2. चेतना देवी धर्मपत्नी श्री नरेन्द्र, महराना, झज्जर
3. चन्द्रभान पुत्र श्री रतन सिंह, निवासी दुल्हेड़ा, जिला झज्जर
4. फिलीना गाहलयान पुत्री श्री जितेन्द्र सिंह, मकान नं. 11, पार्क कालोनी, भिवानी
5. रोहताश पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी गांव दौलतपुर जिला हिसार

दसवां पुरस्कार (प्रेशर कूकर, 5 नग)

1. दीपांशु सुपुत्र श्री दुष्यंत कुमार, गांव गोलिका, मनेठी, रेवाड़ी
2. श्री रणधीर सिंह सुपुत्र चेतन सिंह, वार्ड 6, कलानौर, रोहतक
3. राधा कृष्ण पुत्र श्री सूरजभान, मकान नं. 1446/12 क्वार्टर रोड, शिव मंदिर के पास, हिसार
4. राजबीर सिंह पुत्र श्री होश्यार सिंह, गांव बामनौली, बहादुरगढ़, जिला झज्जर
5. सुरेश कुमार सुपुत्र श्री मुखराम प्रजापत, वार्ड नं. 6, पुराना बाजार, नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़

आवश्यक सूचना

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रातः 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल, फोन : 8295738500, 9253681005

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति के प्रशासक व निर्माण कार्यों की विजिलेंस जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक पर संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता समिति के पूर्व प्रधान सुन्दर लाल जोरासिया ने की। बैठक में संस्था की वर्तमान स्थिति और प्रशासनिक अनियमितताओं पर गंभीर चर्चा की गई। इसके बाद उन्होंने डीसी को एक ज्ञापन भी दिया। पूर्व प्रधान सुंदरलाल जोरासिया ने कहा कि संस्था में लंबे समय से नियुक्त प्रशासक ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर

महेंद्रगढ़। डीसी से मुलाकात करते हुए। फोटो : हरिभूमि

निर्माण कार्यों में अत्यधिक रुचि दिखाई है, जबकि 23 मई 2025 की महानिदेशक चंडीगढ़ की अधिसूचना में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि प्रशासक की भूमिका केवल संस्था की नियमित प्रशासनिक गतिविधियों तक सीमित है। उन्होंने आदेश में यह भी बताया गया कि अधिसूचना के अनुसार किसी भी संस्था का प्रशासक का कार्यकाल अधिकतम छह माह का होता है, यदि वह इस अवधि में चुनाव कराने में असफल रहता है तो उसका कार्यकाल बढ़ाया नहीं जा सकता, किंतु वर्तमान प्रशासक डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति में दो वर्षों से अधिक समय से पद पर बने हुए हैं।

चुनाव कराए जाएं

लोगों ने कहा कि जिला रजिस्टर द्वारा नियुक्त प्रशासक ने अपने कार्यकाल के दौरान एक एडहॉक समिति गठित की है, जबकि एचआरआरएस एक्ट 2012 के अनुसार या तो प्रशासक नियुक्त किया जा सकता है या एडहॉक समिति दोनों एक साथ नहीं हो सकते। उन्होंने मांग की है कि सामाजिक संस्था के कार्यकर्ताओं की बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित कर डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति के वर्तमान प्रशासक एवं निर्माण कार्यों की विजिलेंस जांच कराई जाए। साथ ही संस्था में शीघ्र नए प्रशासक की नियुक्ति कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव संपन्न कराए जाएं।

डॉ. ओमप्रकाश की मनोवैज्ञानिक विषय पर पुस्तक प्रकाशित

नारनौल। संस्कृति इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन एंड टेक्नोलॉजी अमरपुर जोरासी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. ओमप्रकाश इंदिरा कॉलोनी ने अपने शोध पर आधारित मनोविज्ञान विषय पर डॉक्टरेट की उपाधि के पश्चात अपनी प्रथम पुस्तक ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं का मनोवैज्ञानिक विकास प्रकाशित की गई।

यह पुस्तक असोसिएटेड पब्लिशिंग हाउस आगरा के माध्यम से पब्लिश करवाई है। जिसमें उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं के मनोवैज्ञानिक विकास और उसमें आने वाली बाधाओं के बारे में बताया है। उन्होंने अपनी प्रथम बुक के प्रकाशन का श्रेय अपने पिता राजपाल वर्मा, माता ईश्वर देवी, भाई धीरज, धर्मपत्नी ममता के साथ-साथ पूरे संस्कृति कॉलेज के अध्यक्ष विनोद चौधरी लीलावती देवी, प्रिंसिपल डॉ. सुनीता सांगवान, डॉ. केके सैनी जी के साथ-साथ पूरे स्टाफ सदस्य को दिया है, जिनके उचित मार्गदर्शन और सहयोग से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।

मित्रपुरा में घोड़ा बग्गी पर बैठाकर निकाला लड़कियों का बनवारा

मंडी अटेली। घोड़ा बग्गी पर बैठाकर लड़कियों बनवारा निकालते हुए परीजन।

- पिता बोले बेटियों के प्रति समाज में फैली कुरितियों होगी खत्म

मंडी अटेली। आज के समय में हम दिन-प्रतिदिन आधुनिकता की और अग्रसर होते जा रहे है, हमारे पूरे हिंदुस्तान में सभ्यता और संस्कृति की विशेष झलक देखने को मिलती है। इसी तरह की मिसाल गांव मित्रपुरा के सुरेश कुमार खोवाल ने बेटा-बेटी के फर्क को दूर करने के लिए व लोगों को बेटियों के प्रति जागरूक करने के लिए अपनी दोनों बेटी का बनवारा बैंड-बाजों के साथ घोड़ी बग्गी गांव में निकाला। इस मौके पर लड़कियों के दादा बिजली विभाग से सेवानिवृत भुरूमल खोवाल ने बताया किआज के समय बेटियां बेटों से बिल्कुल कम नहीं है। शिक्षा, सेना व खेल के क्षेत्र के साथ-साथ, अन्य विभिन्न क्षेत्रों में भी लड़कियों का विशेष योगदान है। अब समय बदल गया और बेटा व बेटी को एक समान सम्मान दिया जाने लगा है। लड़की के चाचा एडवोकेट सुनील कुमार ने बताया कि बताया कि अब लड़का और लड़की के बीच भेदभाव की पुरानी परंपराएं समाप्त हो रही हैं।

नंबरदार अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपेंगे ज्ञापन

महेंद्रगढ़। तहसील प्रांगण में वीरवार को नंबरदार एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता तहसील प्रधान नंबरदार राजवीर नांगल चौधरी ने की। जिला प्रधान नंबरदार राजकुमार जांगड़ा ने बताया कि 16 नवंबर को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नारनौल आ रहे हैं। इसलिए डीसी से नंबरदार अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए अनुमति लेने के लिए डीसी से मुलाकात की। डीसी ने आश्वासन दिया है कि आपका ज्ञापन देने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के लिए इजाजत देने का आश्वासन दिया और कहा कि आपका मांग पत्र

महेंद्रगढ़। बैठक करने के बाद मौजूद नंबरदार। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री समक्ष रखा जाएगा। आपको दो या तीन नंबरदार स्टेज पर जाकर अपना मांग पत्र देंगे व मुख्यमंत्री का मान सम्मान देकर स्वागत करेंगे। इस मौके पर अनार सिंह नंबरदार, धर्मपाल नंबरदार पायगा, बनवारी लाल नंबरदार, फूल सिंह नंबरदार, मक्खन लाल नंबरदार, मांगेराम नंबरदार, रोहताश नंबरदार, बालमुकुंद नंबरदार, सूरत सिंह नंबरदार, जयवीर नंबरदार, कैलाश मौजूद रहे।

कार्यालय नगरपालिका कनीना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा, पंचकुला के द्वारा नगरपालिका क्षेत्र में स्थित पार्कों की देख-रेख रख-रखाव का कार्य पंजीकृत निवासी कल्याण संघ (RWA)/ पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन (NGO)/ क्षेत्र का पंजीकृत निकाय को दिया जाना है। नगरपालिका कनीना उक्त पोलिसी के तहत नगरपालिका कनीना के 3 पार्कों को देख-रेख रख-रखाव के लिए देना चाहती है। इस कार्य के लिए इच्छुक पंजीकृत निवासी कल्याण संघ (RWA)/पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन (NGO)/ क्षेत्र का पंजीकृत निकाय जिनको नगरपालिका के क्षेत्र में 1 वर्ष का कार्य करने का अनुभव हो, वह अपना आवेदन दिनांक 20.11.2025 तक नगरपालिका कनीना कार्यालय में दे सकते हैं। पालिसी से संबंधित अधिक जानकारी के लिए नगरपालिका कनीना में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं। नगरपालिका कनीना का निर्णय अंतिम व मान्य होगा।

हस्ता/-सचिव
नगरपालिका कनीना।

खबर संक्षेप

अज्ञात परिस्थितियों में मिला युवक, केस दर्ज

नारनौल। गांव खानपुर में शराब का अधिक सेवन कराकर एक युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान गांव सेका निवासी प्रदीप के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों के बयान पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार देर शाम पुलिस को गांव खानपुर के एक खाली प्लाट में एक घायल युवक के पड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली। युवक के चेहरे पर चोट के निशान थे।

हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपित को पकड़ा

नारनौल। गांव बलाहां कलां क्षेत्र में टाइल व पत्थर की फैक्ट्री पर हवाई फायर करने और लूट की कोशिश करने के मामले में थाना सदर पुलिस टीम ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान जीत सिंह वासी खुरमपुर थाना बावल रेवाड़ी के रूप में हुई है। आरोपित को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित ने अपने साथियों के साथ राजस्थान क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान

महेंद्रगढ़। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर व्यापक और सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व करते हुए, थाना शहर महेंद्रगढ़ प्रबंधक एसआई पवन कुमार ने अपनी टीम के साथ बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों और सभी होटलों, धर्मशालाओं व अन्य ठहरने के स्थानों पर विशेष फोकस रखा। पुलिस टीमों ने इन स्थानों पर मौजूद सभी यात्रियों के सामान की बारीकी से जांच की।

सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी स्पर्धा आयोजित

नारनौल। जिला में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता को लेकर स्कूल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी स्पर्धा करवाई जा रही है। प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में पांच स्तर बनाए गए, जिसमें 15 अक्टूबर को प्रश्नोत्तरी परीक्षा आयोजित की गई थी। अब दूसरे राउंड ब्लॉक स्तर पर 20 नवम्बर को प्रश्नोत्तरी परीक्षा होगी। स्कूल स्तर पर आयोजित हुई प्रश्नोत्तरी परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 20 नवम्बर को ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा में बैठेंगे।

गीता के उपदेशों से निखरेगा व्यक्तित्व, खंड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक आयोजित होगी प्रतियोगिता, तैयारी तेज

संवाद और भाषण प्रतियोगिताओं के जरिए नई पीढ़ी में भरे जाएंगे संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर जिले के सरकारी और निजी स्कूलों में श्रीकृष्ण के उपदेश गूंजेंगे। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति कौशल को निखारने के लिए संवाद और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिले के सरकारी और निजी स्कूलों में 14 नवंबर से संवाद और भाषण प्रतियोगिताओं की शुरुआत होगी, जिनके जरिए विद्यार्थी गीता के उपदेशों को जीवंत करेंगे। इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी को श्रीमद्भगवद गीता के जीवनमूल्यों, कर्मयोग और सकारात्मक सोच से जोड़ना है। 14 नवंबर से शुरू होने वाली खंडस्तरीय प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी भाग लेंगे। दो-दो विद्यार्थियों की टीमें भगवान श्रीकृष्ण-अर्जुन, धृतराष्ट्र-संजय के संवादों को मंच पर प्रस्तुत करेंगी। श्लोकों के जरिए धर्म, कर्म और कर्तव्य के संदेश को भावनात्मक अंदाज में व्यक्त किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थी गीता के आदर्शों को जीवन में अपनाने, सकारात्मक सोच और कर्मयोग के महत्व पर बिना लिखे, आत्मविश्वास से भरे शब्दों में अपने विचार रखेंगे। निर्णायक मंडल आवाज, भाव-भंगिमा, वेशभूषा और विषय की समझ के आधार पर विजेताओं का चयन करेगा। निर्णायक मंडल विद्यार्थियों के संवाद प्रस्तुतीकरण, भाव-गरिमा, आवाज के उतार-चढ़ाव, वेशभूषा, उच्चारण और विषय पर पकड़ के आधार पर विजेताओं का चयन करेंगे। जिला स्तर पर चुने गए विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। शिक्षा विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतियोगिता भावना के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व की भावना भी जगाते हैं।

नारनौल। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तर पर होगा बड़ा आयोजन

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र के विद्यालयों से करीब 18 हजार विद्यार्थी सामूहिक गीता श्लोकों का उच्चारण करेंगे। इसी तरह प्रत्येक जिले में लगभग 1800 विद्यार्थी जिला स्तरीय गीता महोत्सव में भाग लेंगे। इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिससे जिला और राज्य स्तरीय आयोजन आपस में जुड़े रहेंगे।

दो चरणों में होंगी प्रतियोगिताएं

गीता महोत्सव के तहत प्रतियोगिताएं दो चरणों में होंगी। पहले चरण में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थी और दूसरे चरण में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी शामिल होंगे। ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता 13 से 15 नवंबर, जिला स्तर की 20 से 22 नवंबर और राज्य स्तर की 27 से 30 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

आज से शुरू होंगी खंडस्तरीय प्रतियोगिता

14 नवंबर से स्कूलों में खंडस्तरीय प्रतियोगिताएं शुरू होंगी। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत संवाद और भाषण प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों, नैतिकता और कर्मयोग की भावना को मजबूत करना है। गीता कोई धार्मिक ग्रंथ भर नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाली पुस्तक है। जब बच्चे इसे समझते हैं, तो उनमें आत्मविश्वास, सहनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है।-सुनील दत्त, जिला शिक्षा अधिकारी।

अटेली-बहरोड़ सड़क मार्ग को किया बंद, थाना प्रभारी ने दिलाया जांच का भरोसा

पाइप और नोजल चोरी होने के विरोध में किसानों ने लगाया जाम

मंडी अटेली। जाम लगाते किसान व किसानों को समझाते एसएचओ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अटेली

गांव नीरपुर राजपूत में बीती रात अज्ञात चोरों ने किसानों के खेतों से सैकड़ों पाइप और नोजल चोरी कर लिए। सुबह चोरी का पता चलने पर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साएं किसानों ने अटेली-बहरोड़ मुख्य सड़क मार्ग पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। करीब आधे घंटे तक चले इस जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत की। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि पुलिस जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लेगी। आश्वासन के बाद किसानों ने जाम खोल दिया और यातायात सामान्य हो गया। जानकारी के अनुसार, गांव नीरपुर राजपूत के जिन किसानों के खेतों से चोरी हुई है, उनमें महीपाल, युधिष्ठिर, प्रभु दयाल, धर्मपाल, संजय, नवीन, बिल्लू, ओमप्रकाश, वेदप्रकाश, रतिपाल और रामपाल सहित एक दर्जन से अधिक किसान शामिल हैं। चोरों ने महीपाल के 10, युधिष्ठिर 30, प्रभु दयाल 30, धर्मपाल 14, संजय 10, नवीन 10 , बिल्लू 8, ओमप्रकाश 10, वेदप्रकाश बिजली की 300 फुट केबल, रतिपाल 10 व रामपाल के 14 पाइप नोज़ल सहित कई किसानों के खेतों से पाइप और नोज़ल चुरा लिए गए। इन किसानों के खेतों से सैकड़ों पाइप, नोजल और करीब 300 फुट बिजली की केबल चोरी हुई।

किसानों ने दिया एक सप्ताह का अल्टीमेटम पुलिस जल्द आरोपितों को गिरफ्तार करेगी

चोरों ने किया वाहन का इस्तेमाल, पुलिस ने जुटाएं सबूत

बताया जा रहा है कि चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए पिकअप वाहन का इस्तेमाल किया। खेतों में वाहन के टायरों के निशान स्पष्ट रूप से दिखाई दिए हैं, जिन्हें पुलिस ने सबूत के रूप में कब्जे में लिया है। किसानों का कहना है कि रबी फसलों की सिंचाई का समयचल रहा है, लेकिन पाइप चोरी होने के कारण खेतों में पानी देना ठप पड़ गया है। उन्होंने कहा कि पाइप और नोजल खरीदने में हजारों रुपये खर्च होते हैं, जो एक ही रात में गायब हो गए। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ खेती कार्यों में भी भारी दिक्कत आ रही है। आक्रोशित किसानों ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस एक सप्ताह के भीतर चोरी का खुलासा और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं करती, तो वे दोबारा सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

यात्रा बनी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन का मंच

नारनौल। चितवन वाटिका में स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- नारनौल में दिखी कार्यकर्ताओं की एकजुटता, पूर्व सांसद चौ. बृजेंद्र सिंह बोले : जनता से सीधा संवाद ही असली राजनीति की ताकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा कांग्रेस की सद्भाव यात्रा गुरुवार को जब नारनौल पहुंची तो यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि संगठन की ताकत का प्रदर्शन बन गई। पूर्व सांसद चौ. बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकली इस यात्रा ने शहर में कार्यकर्ताओं को एकजुट कर कांग्रेस में नई ऊर्जा भर दी। दो दिन तक चलने वाली यह यात्रा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र में पहुंचेगी, जहां गांव-गांव जाकर पार्टी का जनसंपर्क अभियान तेज किया जाएगा।

यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत मंगलवार को राजस्थान की सीमा से सटे गांव राय मलिकपुर से हुई थी। इसके बाद यात्रा नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों से गुजरी, जहां ग्रामीणों ने फूलमालाओं से स्वागत किया और यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। वीरवार को यात्रा ने नारनौल शहर में प्रवेश किया। यात्रा की शुरुआत चितवन वाटिका से शुरू होकर महावीर चौक, पुल बाजार, आजाद चौक, अनाज मंडी, राजीव गांधी चौक, अग्रसेन चौक, गोशाला रोड होते हुए सीएल फार्म हाउस तक पहुंची।

जनता से दूरी राजनीति की सबसे बड़ी गलती: बृजेंद

पूर्व सांसद चौधरी बृजेंद्र सिंह ने कहा कि सद्भाव यात्रा का उद्देश्य पार्टी और जनता के बीच सीधा संवाद कायम करना है। उन्होंने कहा कि राजनीति का असली अर्थ जनता की भागीदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर समाज में सद्भाव, समानता और विकास का संदेश दें। हालांकि प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह जिले में चल रहे धरनों और कार्यक्रमों के कारण यात्रा में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उनकी अनुपस्थिति में भी जिला संगठन ने पूरी ताकत के साथ मोर्चा संभाला। मौके पर जिला अध्यक्ष सत्यवीर झुकिया, महिला जिला प्रधान राजवती यादव, सुखविंद्र सिंह नीरपुर, दिनेश शर्मा व सोनू कौशिक सहित वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

नारनौल। बच्चों की हेल्थ चैक करते चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

एचपीएस जूनियर स्कूल में हेल्थ कैंप लगा

नारनौल। शिव कॉलोनी स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल जूनियर में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच एवं जागरूकता के उद्देश्य से एक दिवसीय हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्पर्श हॉस्पिटल से नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रितेश यादव व श्री महालक्ष्मी डेंटल क्लीनिक से डेंटल सर्जन डॉ नीति प्रतिभा ने विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की। डॉ. यादव व डॉ नीति प्रतिभा ने बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता, पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। विद्यालय की प्राचार्या निशा चौधरी ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक प्रगति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। संस्था एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा तथा निदेशक पुष्कर मल वर्मा ने डॉ. रितेश यादव व डॉ नीति प्रतिभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए लाभदायक होते है।

दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले, दिखा उत्साह

- बीआर स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित
- सभी प्रतियोगिता का संचालन डीपीई मुकेश कुमार एवं बिजेंद्र कुमार ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता खिलाड़ी खुशी जाहिर करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीआर स्कूल सेहलंग में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण लॉन्ग जंप और 100 मीटर दौड़ की प्रतियोगिता रहीं, जिनमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लॉन्ग जंप में छात्र पुत्र सत्यवान ने प्रथम, हर्ष ने द्वितीय तथा कार्तिक ने तृतीय, कक्षा सातवीं में उदय ने प्रथम, साहिल ने द्वितीय और हिमांशु ने तृतीय, कक्षा नौवीं की लॉन्ग जंप प्रतियोगिता में ऋतिक प्रथम, दीपेश द्वितीय और नैतिक तृतीय, कक्षा 11वीं की प्रतियोगिता में यश ने प्रथम, दीपांशु और क्रमशः दूसरे व तीसरे, लॉन्ग जंप की बालिका वर्ग प्रतियोगिता में कक्षा छठी से हिमांशी प्रथम, दिव्या द्वितीय और अनन्या तृतीय, कक्षा सातवीं में वंशिका ने प्रथम, लक्ष्मी ने द्वितीय और प्रीति ने तृतीय, 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में कक्षा छठी के आर्यवीर प्रथम, सर्वेश द्वितीय और सार्थक तृतीय, कक्षा सातवीं में नमन ने पहला स्थान, उदय ने दूसरा और हर्ष ने तीसरा, कक्षा आठवीं की दौड़ में प्रतीक प्रथम, गौरव द्वितीय और जय तृतीय, कक्षा नौवीं में लक्ष्यका प्रथम, आशा द्वितीय और मुस्कान तृतीय, बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में कक्षा छठी से दिव्या ने प्रथम, यशस्वी ने द्वितीय और प्राची ने तृतीय, कक्षा सातवीं में प्राची प्रथम और सोनिका द्वितीय, आठवीं में झलक ने पहला, अंकिता ने दूसरा और गरिमा ने तीसरा, कक्षा 11वीं की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में ज्योति प्रथम, मनसा द्वितीय और वर्षा तृतीय स्थान पर रहीं। सभी प्रतियोगिता का संचालन डीपीई मुकेश कुमार एवं बिजेंद्र कुमार ने किया। प्रिंसिपल ज्योति भारद्वाज ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। वाइस चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने खिलाड़ियों की मेहनत को सराहा।

कनीना। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यूथ फेस्टिवल में जीएल कॉलेज की शानदार उपलब्धि

कनीना। आरपीएस कॉलेज बलाना द्वारा आयोजित जोनल यूथ फेस्टिवल में जीएल महिला कॉलेज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉलेज की टीम ने रिटल्स झूमर श्रेणी में तीसरा, उर्द पोएम प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया हैं। कॉलेज में एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। इस दौरान कॉलेज प्राचार्य डॉ. पूनम ने विद्यार्थियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी उत्साह से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. रिम्पी कुमारी तथा सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया तथा सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया।

विद्यार्थी साइबर अपराधियों के प्रति हमेशा आवाज बुलंद करें: इंस्पेक्टर मंजूषा

छात्राएं हमेशा निडर होकर अपनी बात रखें और अन्याय के विरुद्ध आवाज करें बुलंद: मिनाक्षी

राजकीय महाविद्यालय नारनौल में महिला सशक्तिकरण और साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वावधान एवं पुलिस प्रशासन की ओर से महिला सुरक्षा वर साइबर सुरक्षा जन-जागरण अभियान चलाया। कार्यक्रम में महिला पुलिस थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मिनाक्षी शर्मा एवं इंस्पेक्टर मंजूषा सहित टीम ने विस्तार व्याख्यान और विद्यार्थियों को जागरूकता शपथ दिलाई गई। जिला की एंटी रोमियो टीम द्वारा विद्यार्थियों को निर्देश और सुरक्षा हेतु मोबाइल नंबर जारी किए। मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि जिला में छात्राएं भयमुक्त वातावरण में अपने महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करें। महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि छात्राएं निडर होकर अपनी बात रखें और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं। छात्राओं को छेड़ने और कमेंट करने वाले मनचलों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन की टीम उन्हें पकड़ेंगी। कोई भी मनचला किसी भी महिला, युवती और छात्रा को परेशान या उनके साथ अभद्रता करते हुए पकड़ा गया तो तत्काल जिला पुलिस प्रशासन की टीम उसे हिरासत में लेगी। इसके बाद उसे थाने लाकर पुलिस उसकी काउंसलिंग करेगी।

जिला में भयमुक्त होकर महाविद्यालय में छात्राएं आएं। पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन व महाविद्यालय प्रशासन हमेशा उनके साथ खड़ा मिलेगा। साथ ही महिला सुरक्षा एवं सहायता केंद्र, महिला परामर्श केंद्र, आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, महिला स्वावलंबन से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

डिजिटल युग में साइबर अपराध से बचें

इंस्पेक्टर मंजूषा ने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट मीडिया व ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, जिनसे सतर्क रहना बेहद जरूरी है। किसी भी अज्ञात व्यक्ति से इंटरनेट मीडिया पर बातचीत न करें और न ही कोई भी व्यक्तिगत जानकारी या फोटो साझा करें। किसी भी अनजान लिंक को क्लिक न करें एपीके जैसे एप्प का प्रयोग न करें। साइबर अपराधों से सुरक्षा एवं शिकायत प्रक्रिया, ऑनलाइन धोखाधड़ी, स्टॉकिंग, सोशल मीडिया सुरक्षा, आत्मरक्षा के मूलभूत उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अशोभनीय टिप्पणी, फर्जी प्रोफाइल या धमकी मिलने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें। पुलिस हमेशा सत्यनिष्ठा से कार्यवाही करेंगी। विद्यार्थी साइबर अपराधियों के प्रति हमेशा आवाज बुलंद करें। हेड कांस्टेबल शकिला व मीनाक्षी ने कहा कि प्रत्येक छात्रा, महिला व बच्ची को अपने अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है ताकि वह किसी भी आपराधिक घटना का सामनाआत्मविश्वास के साथ कर सके। महिलाओं की सुरक्षा समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में पुलिस विभाग निरंतर प्रयासरत है। इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य हर महिला को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। डॉ चंद्रमोहन ने सभी विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा जागरूकता शपथ दिलाई। महाविद्यालय कुलसचिव डॉ. सत्य पाल सुरोलिया द्वारा जागरूकता हेतु विद्यार्थियों को नारें लगवाएं।